तेरापंथ प्रोफेशनल्स कॉज़्फ्रेंस सज़्पन्न
सामाजिक संगठन चार पॉवर से होगा मजबूत : आचार्य महाश्रमण
फॉर्म से आगामी वर्षों में 10 हजार तेरापंथी प्रोफेशनल्स जुड़ेंगे

सरदारशहर 8 अगस्त, 2010

आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में तेरापंथ प्रोफेशनल्स फॉर्म द्वारा आयोजित दो दिवसीय तृतीय ऑल इण्डिया तेरापंथ प्रोफेशनल्स कॉज़्फ्रेंस आज सज़्पन्न हुई। तेरापंथ भवन में आयोजित इस कॉज़्फ्रेंस में देशभर से 200 प्रोफेनल्स ने भाग लिया। फॉर्म के आगामी लक्ष्यों पर हुए चिंतन मंथन में 10 हजार तेरापंथी प्रोफेशनल्स को आगामी वर्षों में जोड़ना, प्रोफेशनल्स को कैरियर काउंसिलिंग, जोब अरेंजमेंट, फण्ड एरेंजमेंट करना और धर्मसंघ के आयामों को विश्वव्यापी बनाना प्रमुख रहा। इस मौके पर अन्तर्राष्ट्रीय प्रवक्ताओं को तैयार करने के लिए विशेष कॉर्ष निर्माण का निर्णय किया गया।

कॉज़्फ्रेंस के समापन समारोह में आचार्य महाश्रमण ने कहा कि किसी भी संगठन को दीर्घजीवी बनाने के लिए, मजबूती देने के लिए चार पॉवर आवश्यक होते हैं। सबसे पहले मेन पॉवर होना चाहिए। अगर संगठन के पास व्यक्ति होते हैं, कार्यकर्त्ता होते हैं तभी संगठन चल सकता है। दूसरा मनी पॉवर सामाजिक संगठन के लिए जरूरी होता है। तीसरा मैनेजमेंट पॉवर है। प्रबंधन के बिना अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। चौथा है मोरिलिटी पॉवर। नैतिकता के अभाव में भ्रष्टाचार फैल जाता है और संगठन खोखला बन जाता है। इन चार पॉवर को अपनाने वाला सामाजिक संगठन मजबूत बनता है और दीर्घजीवी होता है।

आचार्य महाश्रमण ने प्राफेशनल्स फॉर्म को अभी बच्चा बताते हुए कहा कि अभी फॉर्म ने कार्य प्रारंभ किया है, छोटा बच्चा ही है। बच्चे को लाड-प्यार की ज्यादा अपेक्षा होती है। समुचित लाड-प्यार मिलने पर ही बालक विकास करता है। उन्होंने कहा कि फॉर्म को अभी बहुत कुछ करना है, इतने में ही संतोष नहीं करता है। फॉर्म से संतोष उनको होना चाहिए जो इनके सदस्य बनते हैं। उन्होंने फॉर्म के बनने वाले प्रत्येक सदस्यों का नशा मुक्त होना जरूरी बताते हुए कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ की प्रत्येक संस्था से जुड़े कार्यकर्त्ताओं और पदाधिकारियों को नशा मुक्त होना चाहिए। आचार्य महाश्रमण ने सदस्यों के निराशा भाव को दूर करने के लिए चिंतन, निर्णय, और क्रियान्विति में अनुचित फासला न हो इसको जरूरी बताया।
साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा युवा देश है। पचपन प्रतिशत आबादी युवाओं की है। दुनिया के अनेक देश भारत की प्रतिभा, मेधा, को अपने देश में चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सीए, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर आदि बनना सरल है पर चरित्र सज़्पन्न व्यक्तित्व का निर्माण करना

कठिन है। तेरापंथ प्रोफेशनल्स को इस क्षेत्र पर विशेष ध्यान देना है। तेरापंथी अनेक युवा अपने-अपने क्षेत्रों में विशिष्ट काम कर रहे हैं यह फॉर्म के लिए उपलब्धि है। साध्वी प्रमुखा ने कहा कि फॉर्म के सामने विजन स्पष्ट रहना चाहिए। जिससे कार्य की गति बनी रहेगी। मुनि धनंजय कुमार ने अपने विचार रखे। डॉ. महावीर नोलखा, कार्यक्रम के अध्यक्ष गौतम चौरड़िया, मुज़्य अतिथि आदित्य बांठिया, मनीष भण्डारी, फॉर्म के अध्यक्ष नरेन्द्र श्यामसुखा ने संबोधित किया। फॉर्म की ओर से कॉज़्फ़ेंस के प्रायोजक मूलचन्द विकास कुमार मालू परिवार को स्मृति चिन्ह भेंट कर सज़्मानित किया। नरेन्द्र श्यामसुखा ने कॉज़्फ़ेंस के संयोजक सलील लोढ़ा एवं सहसंयोजक दीपक पींचा को स्मृति चिन्ह भेंट किया। आभार राकेश बरड़िया ने किया। संचालन फॉर्म के महामंत्री इन्द्रचन्द दुधेड़िया ने किया।

बाव कच्छ से आए लोगों ने आचार्यश्री महाश्रमण से की अर्ज

सरदारशहर 8 अगस्त, 2010

आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में गुजरात राज्य के बाव व कच्छ से समागत संघबद्ध आए लोगों ने 2012 के मारवाड़ के जसोल चातुर्मास के दौरान उसके समीप ही लगभग 180 कि.मी. की दूरी पर गुजरात का बाव व कच्छ में स्पर्श करते हुए अधिक से अधिक समय प्रदान करने की अर्ज की। इस अवसर पर हंसमुखभाई मेहता, कच्छ क्षेत्र के मंत्री पंकजभाई मेहता, प्रवीण भाई मेहता, चज़्पकभाई मेहता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आचार्यश्री महाश्रमण को एक बड़ी तस्वीर भेंट की। बाव व कच्छ के लोगों का नेतृत्व करते हुए मुनि अक्षयप्रकाश ने अपने विचार व्यक्त किये।

– **शीतल बरड़िया** (मीडिया संयोजक)